Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/Pfiofficial

# प्रेस रिलीज़

मलप्पुरम

23 फरवरी 2020

## पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के नए पदाधिकारियों का चुनाव

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की नेशनल जनरल असेंबली का आयोजन मालाबार हाउस, पुथानथनी, मलप्पुरम, केरल में हुआ, जिसमें 2020–2022 के कार्यकाल के लिए संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।

ओ.एम.ए. सलाम संगठन के नए चेयरमैन और अनीस अहमद नए महासचिव होंगे।

अन्य नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारी सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं:

ई.एम. अब्दुर्रहमान (वाइस चेयरमैन), अफसर पाशा (सचिव), वी.पी. नासिरूद्दीन (सचिव), के.एम. शरीफ (कोषाध्यक्ष), ई. अबूबकर (कार्यकारी सदस्य), पी. कोया (कार्यकारी सदस्य), मोहम्मद अली जिन्ना (कार्यकारी सदस्य), अब्दुल वाहिद सेठ (कार्यकारी सदस्य), ए.एस. इस्माईल (कार्यकारी सदस्य) और एड० ए. मोहम्मद यूसुफ (कार्यकारी सदस्य)।

तीन दिवसीय नेशनल जनरल असेंबली (एनजीए) का आरंभ 21 फरवरी 2020 को ओ.एम.ए. सलाम के हाथों झंडारोहण से हुआ। एनजीए एक वार्षिक बैठक है, जिसमें देशभर से प्रतिनिधी भाग लेते हैं और संगठन की पिछले वर्ष की गतिविधियों का जायज़ा लेते हैं और आने वाले सालों के लिए योजना तैयार करते हैं।

ओ.एम.ए. सलाम ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हिंदुत्व राष्ट्र का मतलब आम भारतीय नागरिकों का खून चूसकर सिर्फ अमीरों और कारोबारियों का ख़्याल रखना है और सभी लोग इस हकीकत को समझने लगे हैं। देश के केवल 64 कारोबारियों की कुल संपत्ति की कीमत 28 लाख करोड़ है, जबकि 130 करोड़ भारतीय नागरिकों का राष्ट्रीय बजट सिर्फ 24 लाख करोड़ है, यानी इन कारोबारियों की कुल संपत्ति से भी कम। हिंदुत्व राष्ट्र की स्थापना में एकमात्र कदम जो बाकी रह गया है वह संविधान को सरकारी तौर पर बदलना है, जिसे पहले ही कमज़ोर किया जा रहा है। सत्ता का खुलेआम दुरुपयोग करके आरएसएस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने सभी संवैधानिक संस्थानों और सेक्युलर एवं लोकतांत्रिक मेकैनिज़्म को तबाह कर दिया है और भारत को एक सांप्रदायिक तानाशाही देश में बदल दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि जो बात हम पिछले 3 दशकों से लगातार कहते चले आ रहे थे आज वह हकीकत बनकर सबकी नज़रों के सामने है। जिन लोगों ने आरएसएस की विचारधारा के बारे में हमारी चेतावनियों को नज़रअंदाज़ किया, आज वही लोग नागरिकता के अधिकार के लिए लोगों को सड़कों पर लाकर प्रदर्शन करने पर मजबूर हैं। हमें ना तो समर्थन मिलने पर बहुत ज़्यादा खुश होने की ज़रूरत है और ना ही स्वार्थी समूहों के द्वारा अलग–थलग किए जाने पर निराश होने की। पिछले 3 साल देश, जनता और हमारे आंदोलन के लिए कठिनाईयों भरे गुज़रे हैं। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक

एवं फासीवादी ताकतों और उनकी सरकार के खिलाफ और सभी नागरिकों की बिना किसी भेदभाव के सशक्तिकरण की लड़ाई में इन चुनौतियों का मुकाबला होना चाहिए।

महासचिव एम. मोहम्मद अली जिन्ना ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में पाया गया कि जनता के बीच विशेषकर उत्तर भारत के राज्यों में संगठन की लोकप्रियता में बहुत तेज़ी से बढ़ोतरी हुई है और संगठन ने बड़े पैमाने पर अपनी छाप छोड़ी है। साथ ही रिपोर्ट यह भी बताती है कि सरकार और उसकी एजेंसियां संगठन को निशाना बनाने और उसकी छवि खराब करने की लगातार कोशिशें करती रही हैं। बैठक में सामुदायिक विकास की गतिविधियों में संगठन के बेहतर कामकाज पर संतुष्टि जताई, जैसा कि रिपोर्ट से प्रतीत होता है। डॉयरेक्टर अफसर पाशा ने सभी लोगों का स्वागत किया।

अनीस अहमद
महासचिव
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली